RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 2 अंक 6 | मूल्य - रू.1/- | जून 2017 | पृष्ठ - 8

महाराष्ट्र सूखामुक्ति अभियान

"मानव श्रमदान को
मशीनों का सहयोग"

#MAHARASHTRA DROUGHT - FREE MOVEMENT

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2

सामाजिक क्रांति का नव स्वरूप : महाराष्ट्र में
सूखा मुक्ति अभियान के तहत् महाश्रमदान.....3

महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान – चित्रमय झलकियाँ 4, 5, 7

भारतीय जैन संगठन द्वारा सूखे से जूझ रहे 336 गाँवों को
490 पोकलेन तथा जेसीबी मशीनों द्वारा सहयोग.....6

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

MAHARASHTRA DROUGHT - FREE MOVEMENT

प्रिय आत्मजन,

मई, 2017 विश्व, दक्षिण एशिया उपखंड एवं भारत हेतु जितना सूचक एवं महत्वपूर्ण रहा उतना ही बीजेएस हेतु भी रहा. 1 मई को महाराष्ट्र राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय जैन संघटना के संस्थापक आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था को उनके द्वारा समाज उत्थान एवं विकास, शिक्षा तथा प्राकृतिक आपदाओं के क्षेत्र में दी जा रही अविरत एवं उत्कृष्ट सेवाओं हेतु महाराष्ट्र के राज्यपाल महामहिम सी.विद्यासागर राव एवं मुख्यमंत्री मा. श्री देवेंद्र फड़नवीस ने मुंबई में आयोजित विशिष्ट कार्यक्रम में 'महाराष्ट्र वैभव' से सम्मानित किया. जिनके शब्दकोश में असंभव शब्द ही नहीं है, ऐसे महामानव आदरणीय मुथ्थाजी को हम हृदय के अंतरतल से नमन करते हैं.

5 मई को प्रक्षेपित अन्तरिक्ष उपग्रह सार्क देशों को उपहार स्वरूप देकर भारत ने मैत्रीपूर्ण कूटनीतिक सम्बन्धों के नए युग का शुभारंभ किया है. 5 मई को ही सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा निर्भया काण्ड के अपराधियों को सुनाई देह दण्ड की सजा को बहाल रखते हुए, देश को यह संदेश दिया कि ऐसे घिनौने अपराधों के लिए मात्र यही सज़ा हो सकती है. किन्तु यह चिंता का विषय है कि सख्त सज़ाओं के कानूनी प्रावधानों के उपरांत भी महिलाओं के प्रति समाज की मानसिकता में आशास्पद परिवर्तन नहीं आया है व आज भी महिलाएं दुष्कर्मों एवं अपराधों का शिकार हो रही हैं. क्या कहीं हम सभ्य समाज से आदिम व्यवस्था की ओर प्रयाण तो नहीं कर रहे? ऐसी घटनाओं से आघातों की त्सुनामी की प्रचंड लहरे उठती अवश्य हैं किन्तु नित्य ही अपराधों के पुनरावर्तन से तो लगता है कि मानवीयता ही नामशेष होती जा रही है. समाज की मानसिकता बदलने के साथ युवतियों को सशक्त करने हेतु कार्य करने की आवश्यकता है, जिस हेतु बीजेएस गत कुछ वर्षों से रचनात्मक प्रयास कर रहा है. देश की समस्त बेटियों को सशक्त करना बड़ा लक्ष्य है जिस हेतु देशवासियों, सरकारों एवं सामाजिक संस्थाओं आदि सभी की सहभागिता आवश्यक होगी.

मित्रों! गत अंक में आपसे महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान पर चर्चा की थी. मुझे सूचित करते हुए अपार हर्ष के है कि लगभग दो माह की अवधि में योजनाबद्ध तरीके से चलाया गया यह अभियान लक्ष्यों के अनुरूप पूर्ण हो चुका है. गत कुछ दशकों में ऐसी परम्परा एवं वैचारिकता प्रस्थापित हुई कि ऐसे कार्य या अभियान मात्र सरकारों का उत्तरदायित्व हैं, किन्तु आदरणीय मुथ्थाजी की गहन सामाजिक वैचारिकी तथा दूरदृष्टि एवं बीजेएस की विशिष्ट कार्यप्रणाली के फलस्वरूप देश का संभवतः यह प्रथम अभियान है जो इतने व्यापक स्तर पर जल संकट एवं सूखा मुक्ति हेतु सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित किया गया. सामाजिक वैज्ञानिकों एवं सामाजिक चिंतकों का यह स्पष्ट अभिमत है कि आधुनिकता की आंधियों में मानवीय संवेदनाओं का निरंतर ह्रास हो रहा है, परिणामतः समाज 'रोबोटिक सोसायटियों' में परिवर्तित हो रहे हैं, जहां संवेदनाओं हेतु स्थान ही नहीं है. इन परिस्थितियों में भी, सरकारी उत्तरदायित्वों का सामाजिक उत्तरदायित्वों में रूपान्तरण कर लक्षयबद्ध परिणाम प्राप्त करना किसी चमत्कार से कम नहीं है. महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित तथा जल-धन के नाम पर दीन हो चुके 13 जिलों के 1300 गांवों में 'सूखा मुक्ति अभियान' से वर्षा जल की एक-एक बूंद के भूगर्भीय संग्रहण की उम्दा योजना का निर्माण, ग्रामजन को पानी फाउंडेशन द्वारा क्रियान्वयन प्रशिक्षण, महायज्ञ का स्वरूप धारण करता ग्रामजन का सामूहिक श्रमदान, सहयोग हेतु बीजेएस द्वारा मुफ्त पोकलेन तथा जे.सी.बी. उपलब्ध कराना, श्रमदान में असंख्य-असंख्यों का जुड़ना, मात्र गांवों के सभी महिला एवं पुरुष ही नहीं अपितु शहरीजन, सरकारी अधिकारी, राजनीतिज्ञ, विशिष्ट महानुभावों के साथ राज्य सरकार का सम्पूर्ण सहयोग सभी कुछ अभूतपूर्व रहा. यह मात्र सूखा मुक्ति अभियान ही नहीं अपितु एक नवीन सामाजिक क्रांति है जिसका नेतृत्व आदरणीय मुथ्थाजी ने स्वयं किया जो विश्व के सभी देशों एवं समाजों के लिए अनुकरणीय बन पड़ेगा. 'जल' को संकट का स्वरूप देने का कार्य मानव सभ्यताओं ने किया है किन्तु इस नवीन क्रांति से देश ही नहीं विश्व में जल संकट से मुक्ति संभव होगी, क्योंकि वर्षा से प्राप्त जल की भूगर्भीय संग्रहण क्षमताओं की वृद्धि हेतु सामाजिक उत्तरदायित्वों की विकसित सोच ही इस हेतु पर्याप्त होगी. मैं भारतीय जैन संघटना की तरफ से उन सभी महानुभावों, संस्थाओं तथा महाराष्ट्र राज्य सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होने इस अभियान को अतुलनीय बना दिया.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई **सुरेश कोठारी**, अहमदाबाद **सुदर्शन जैन**, बड़नेरा, **वीरेंद्र जैन**, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, **संजय सिंघी**, रायपुर, **राजेंद्र लुंकड़**, इरोड़

सामाजिक क्रांति का नव स्वरूप
महाराष्ट्र में सूखा मुक्ति अभियान के तहत् महाश्रमदान

गत 5 वर्षों से महाराष्ट्र में बनी हुई जल संकट एवं सूखे की स्थिति और परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई गंभीर सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में 3000 से अधिक किसानों द्वारा आत्महत्याएं करना राज्य सरकार के लिए स्थिति को नियंत्रण में लाना कठिन डगर है, किन्तु उन बिन-सरकारी सामाजिक संस्थाओं हेतु भी चुनौती पूर्ण है जो सामाजिक उत्थान एवं विकास हेतु कार्यरत रहती हैं. भारतीय जैन संघटना गत 5 वर्षों से इस समस्या के निवारण हेतु प्रयासरत रहा है. वर्ष 2013 में सर्वाधिक सूखाग्रस्त बीड जिले के 117 गांवों के तालाबों की सफाई (Desilting) करने के कार्य को जनसहयोग से पूर्ण किया था. इन तालाबों से निकली उपजाऊ मिट्टी को 5 हजार एकड़ पड़त जमीन पर फैलाया गया तथा उसे कृषि लायक बनाया गया. यह अपने आप में एक अभूतपूर्व एवं सफल प्रयोग रहा. वर्ष 2015-16 में बीड जिले के अतिरिक्त लातूर एवं उस्मानाबाद जिलों में भी सूखा मुक्ति अभियान के तहत् तालाबों एवं नालों आदि को चौड़ा एवं गहरा करने का कार्य बीजेएस ने किया क्योंकि वर्षा से उपलब्ध जल का योग्य मात्रा में भूगर्भीय संग्रहण ही इस समस्या का एक मात्र उपाय है.

प्रसिद्ध सिने अभिनेता श्री आमीर खान ने इस समस्या के निवारण हेतु वर्ष 2016 में पानी फाउंडेशन की स्थापना कर 'सत्यमेव जयते वाटर कप स्पर्धा' का आयोजन किया. इस प्रतियोगिता में सूखाग्रस्त कुछ तालुकाओं का चयन कर उनमें स्थित गांवों को प्रतिभागिता करने का अवसर दिया जाता है. हर एक गाँव से चुनिन्दा लोगों को जलसंरक्षण का उत्कृष्ट प्रशिक्षण दिया जाता है. ग्रामजन ही उनके गाँव का Water Shed Management Plan तैयार करते हैं. इस स्पर्धा में ग्रामजन मिलकर श्रमदान करते हैं और एकजुटता के साथ जल संबंधी स्वावलंबन प्राप्त कर 'सूखा' जैसी समस्या से स्थायी मुक्ति हेतु प्रयास करते हैं.

पानी फाउंडेशन ने 'वाटर कप स्पर्धा' का आयोजन वर्ष 2016 में महाराष्ट्र के 3 तालुकाओं में किया, जिसमें सतारा, बीड तथा अमरावती जिले के 116 गांवों के ग्रामजनों ने सामूहिक श्रमदान से इसमें प्रतिभागिता की थी. इस अभिनव प्रयोग के सुखद परिणामों से प्रोत्साहित होकर पानी फाउंडेशन ने इस वर्ष 'वाटर कप स्पर्धा' का आयोजन 8 अप्रैल से 22 मई तक महाराष्ट्र के 13 जिलों की 30 तहसीलों के लगभग 2000 गांवों हेतु आयोजित करने का निर्णय किया. इस स्पर्धा को बीजेएस का सम्पूर्ण समर्थन एवं सहकार प्राप्त हुआ.

अप्रैल व मई माह में सूखा मुक्ति अभियान के क्रियान्वयन हेतु श्रमदान की योजना फरवरी/मार्च में गढ़ी गई. बीजेएस द्वारा राज्य तथा जिला स्तरीय समितियों का गठन किया गया तथा तालुका पर्यवेक्षकों की नियुक्तियाँ की गई. आवश्यक हैंड-बुक का प्रकाशन भी किया गया जिसमें विविध स्तरीय व्यक्तियों एवं टीमों के उत्तरदायित्वों तथा प्रशिक्षण के प्रकारों का विवरण दर्शाया गया. इस अभियान में गांवों के सरपंचों, ग्रामजन, पानी फाउंडेशन, सरकारी अधिकारियों के साथ बीजेएस के जिला समन्वयकों के मध्य सामंजस्य स्थापित कर इस अभियान का श्रीगणेश किया गया. इस अभियान की विशेषता है कि ग्रामजन स्वयं के श्रमदान से जल संकट एवं सूखे से मुक्ति पाएंगे. ग्रामजन द्वारा किए जाने वाले श्रमदान में सहायता करने हेतु बीजेएस ने 100 घंटों हेतु पोकलेन या 250 घंटों हेतु जे.सी.बी. बिना मूल्य प्रदान करने का नीतिगत निर्णय लिया.

इस अभियान का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने किया व 29 मार्च से 14 अप्रैल, 2017 तक 13 जिलों का तूफानी दौरा कर जगह-जगह ग्रामजनों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित किया. उन्होंने ग्रामजन को अभियान से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित किया व अभियान के योजनाबद्ध चरणों से अवगत कराया. बीजेएस के पदाधिकारीगण का समावेश राज्य व जिला स्तरीय समितियों में कर अभियान की सफलता सुनिश्चित की गयी. बीजेएस के संस्थापक श्री शांतीलालजी मुथ्था ने 9 मार्च को बीजेएस के राज्य व जिला स्तरीय समिति के सदस्यों तथा 24-25 मार्च, 2017 को तालुका पर्यवेक्षकों को पुणे में अभियान के सफल संचालन हेतु आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया.

इस अभियान को सामाजिक क्रांति का स्वरूप प्राप्त हो यह स्वप्न आदरणीय मुथ्थाजी ने देखा व इसे वास्तविकता में बदलने हेतु महाश्रमदान का आयोजन प्रत्येक गाँव में सुनिश्चित किया ताकि महाराष्ट्र ही नहीं समस्त देश में यह संदेश प्रसारित हो कि जल संकट एवं सूखे की स्थिति प्राकृतिक रूप से कम व मानव सर्जित अधिक है, जिसका समाधान सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति जनसाधारण व विशेषकर ग्रामजन की चेतना को जागृत कर प्राप्त किया जा सकता है.

महावीर जयंती के अवसर पर 9 अप्रैल को बीजेएस के वाघोली स्थित शैक्षणिक पुनर्वसन केंद्र, पुणे में अध्ययनरत आत्महत्याग्रस्त किसानों के 650 विद्यार्थियों ने गोलेगांव, तालुका खुलदाबाद जिला औरंगाबाद में श्रमदान किया. इन विद्यार्थियों के अतिरिक्त ग्रामजन, राजनीतिज्ञ एवं सरकारी अधिकारियों सहित विशिष्ट महानुभावों ने इसे महाश्रमदान का स्वरूप प्रदान किया. 1993 में लातूर व उस्मानाबाद में आये प्रलयकारी भूकंप से प्रभावित 1200 विद्यार्थियों के शैक्षणिक पुनर्वसन का उत्तरदायित्व बीजेएस ने स्वैच्छा से लिया था. यह सभी विद्यार्थी उनकी शिक्षा पूर्ण कर आज आत्मनिर्भर हैं व प्राकृतिक आपदाओं में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करते हैं. इन पूर्व विद्यार्थियों ने इस अभियान में द्वितीय महाश्रमदान 23 अप्रैल,2017 को आशीव गाँव, तालुका औसा, जिला लातूर में किया. इस क्षेत्र के सर्वाधिक सूखा प्रभावित गांवों में अभियान के प्रति जागरूकता का अभाव स्पष्टरूप से दिखाई दे रहा था. वाटर कप स्पर्धा से जुड़ने तथा श्रमदान हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्वयं श्री प्रफुल्ल पारख ने ग्राम सभाओं को संबोधित किया, जन-जागृति हेतु रैलियां निकाली, फलस्वरूप ग्रामजनों ने श्रमदान कर सूखा से मुक्ति पाने हेतु कमर कसी. इसी तरह बीजेएस शैक्षणिक पुर्नवसन केंद्र से लाभान्वित आदिवासी क्षेत्र मेलघाट के विद्यार्थियों ने तृतीय महाश्रमदान अमरावती के आदिवासी ग्राम – साद्रावाडी (धारणी) में किया. इन सभी महाश्रमदानों का आयोजन बीजेएस ने किया. इन महाश्रमदानों में ग्रामजन ही नहीं अपितु शहरीजन भी जुड़े. महाश्रमदान में बड़ी संख्या में सम्मिलित पुरुषों एवं महिलाओं ने मिलकर संदेश दिया कि "सरकार व दूसरों से अपेक्षा करने कि बजाय गाँव की जरूरत के लिए सभी ग्रामवासी मिलकर कार्य करें तो परिणाम निश्चित तौर पर आता है. आपदा तो आती ही रहेंगी किन्तु हम उसका सामना मिलकर कर सकते हैं".

महाराष्ट्र सरकार विशेषकर मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्रजी फडनवीस का इस अभियान को सफल बनाने में प्रशंसनीय योगदान रहा. उन्होंने सूखा प्रभावित 13 जिलों के जिलाधीशों को प्रशासन द्वारा सम्पूर्ण सहयोग प्रदान करने हेतु आदेश दिये.

45 दिनों तक चली यह वाटर कप स्पर्धा 22 मई, 2017 को समाप्त हो गई. इस स्पर्धा मे प्रतिभागिता हेतु 2167 गांवों ने आवेदन किया था, 1327 गांवों ने आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त किया व 514 गांवों मे श्रमदान हुआ. इस अवधि में बीजेएस ने महाराष्ट्र के 13 जिलों के 30 तालुकाओं के 336 गाँवों में 490 पोकलेन व जेसीबी मशीने उपलब्ध करवाकर ग्रामजनों द्वारा सूखा मुक्ति अभियान के तहत् उनके द्वारा किए गए महाश्रमदान को सहयोग व समर्थन प्रदान किया. किसी भी राज्य में निश्चित किन्तु अल्प अवधि में बड़ी संख्या में ग्रामवासियों का सूखा मुक्ति अभियान के तहत सामूहिक महाश्रमदान से जल संकट से निजात पाने हेतु स्वआत्मनिर्भरता के प्रयास नव सामाजिक क्रांति का एक उदाहरण है जो देश ही नहीं अपितु समस्त देश हेतु अनुकरणीय होगा.

महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान – चित्रमय झलकियाँ

बीजेएस पदाधिकारियों एवं जिला समन्वयकों को महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान कार्ययोजना की जानकारी देते हुए श्री मुथ्थाजी तथा तालुका सुपरवाईजरों का प्रशिक्षण एवं ग्रुप एक्टिविटी

श्री शेखर गायकवाड, जिलाधीश - सांगली के साथ बैठक

श्री सुदर्शन जैन, अमरावती-अध्यक्ष- समन्वय समिति
महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान द्वारा कार्यकर्ताओं को संबोधन

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख का सूखाग्रस्त 13 जिलों का
28 मार्च से 14, अप्रैल 2017 तक तूफानी दौरे में कार्यकर्ताओं को संबोधन

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

MAHARASHTRA DROUGHT - FREE MOVEMENT

महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान – चित्रमय झलकियाँ

महाश्रमदान- गोलेगांव (औरंगाबाद), आशीव (लातूर) एवं साद्रावाडी-धारणी (अमरावती) में श्री शांतीलालजी मुथ्था, श्री पांडुरंग पोले,जिलाधीश - लातूर, श्री सत्यजीत भटकल (CEO-पानी फाउन्डेशन एवं डायरेक्टर-सत्यमेव जयते), श्री अतुल कुलकर्णी (प्रसिद्ध मराठी सिने अभिनेता) तथा श्रमदान में हिस्सा लेते हुए वाघोली-पुणे के विद्यार्थी व विशाल जन समुदाय

भारतीय जैन संगठन द्वारा सूखे से जूझ रहे 336 गाँवों को 490 पोकलेन तथा जेसीबी मशीनों द्वारा सहयोग

आमीर खान की पानी फाउन्डेशन ने महाराष्ट्र के लिए आयोजित वाटर कप प्रतियोगिता में भारतीय जैन संगठन ने 490 पोकलेन और जेसीबी मशीन की सहायता से 336 गाँवों को जल संकट मुक्त बनाने में अपना योगदान दिया है. श्रमदान आधारित इस प्रतियोगिता में सभी कार्य हाथों से नहीं हो सकते, उनकी भी कुछ सीमाए होती है. ऐसे मौके पर भारतीय जैन संगठन ने हाथों को मशीन का साथ देते हुए यह विशाल कार्य पूरा करने में मदद की. एक ही समय में अनेकों गाँवों में मशीन की मदद करते हुए बीजेएस का आपदा प्रबंधन क्षेत्र में कार्य का पूर्वानुभव एवं सूक्ष्म प्रबंधन और महाराष्ट्र के साथ-साथ अन्य राज्यों में कार्यरत कार्यकर्ता के नेटवर्क का लाभ हुआ.

इस वर्ष पानी फाउन्डेशन की वाटर कप प्रतियोगिता 13 जिलों में 30 तालुका के विभिन्न गाँवों में आयोजित हुई. भारतीय जैन संगठन ने इस प्रतियोगिता में श्रमदान का कार्य पूरा करने वाले सभी गाँवों को उनके गाँव में श्रमदान के दौरान होने वाले कठिन कार्य के लिए जेसीबी–पोकलेन के माध्यम से सहयोग देने का निर्णय लिया. मात्र डेढ़ महिने की कालावधि में इतना बड़ा कार्य करने का आव्हान बीजेएस के सामने था. इसके लिए 30 तालुकाओं में 42 पर्यवेक्षकों को नियुक्त कर सभी सरपंच तथा गाँव के लोगों के साथ संपर्क करने की योजना तैयार की. हर एक जिले में भारतीय जैन संगठन के पदाधिकारियों की समिति नियुक्त की गयी. इस दौरान एक अलग Software बनाकर बीजेएस ने 271 जेसीबी और 219 पोकलेन द्वारा 336 गाँवों में बड़े पैमाने पर कार्य किया.

इस योजना के नियोजन के लिए श्री. शांतीलालजी मुथ्था और श्री प्रफुल्ल पारख ने सभी सहभागी ग्राम सरपंचों के साथ मीटिंग की. पहले तो एक गाँव में 250 घंटे जेसीबी या 100 घंटे पोकलेन देने का निर्णय लिया गया. लेकिन सभी गाँवों द्वारा बड़े पैमाने पर मांग होने की वजह से अनेकों गाँवों को मशीन का समय बढ़ा कर दिया गया.

आर्थिक रूप से कमजोर तथा दुर्गम गाँवों को बीजेएस ने दी डीज़ल सहित मशीन

श्री.शांतीलालजी मुथ्था और श्री प्रफुल्ल पारख के गाँव-गाँव के भ्रमण के समय गाँवों की आर्थिक स्थिति कमजोर है तथा वे मशीन को लगने वाले डीजल देने में भी असमर्थ है, यह जानने को मिला. पानी फाउन्डेशन के कार्यकर्ताओं को भी इन गाँवों की कमजोर आर्थिक स्थिति के बारे में जानकारी मिल रही थी. शासकीय अधिकारी भी यही स्थिति बया कर रहे थे. श्री आमीर खान अकोला जिले के चारमोली गांव में जब गए तब उस गाँव के 60 से 100 वर्ष उम्र की कुछ बुजुर्ग महिलाओं ने उन्हें प्रतिमाह मिलने वाली 600 रुपयों की मासिक पेंशन में से 500 रुपये इस कार्य में लगने वाले डीजल के लिए देने की भावना उनके सामने रखी. यह देखकर श्री आमीर खान ने महाराष्ट्र के ऐसे सभी गाँवों की सूची श्री. शांतीलालजी मुथ्था को दी तथा इन गाँवों को मशीन, डीजल सहित देने का आग्रह किया. बीजेएस ने आर्थिक रूप से कमजोर ऐसे 31 गांवों को 36 मशीनें डीजल सहित प्रदान की.

इन सभी गाँवों में सुखामुक्ति के लिए काम करते हुए बीजेएस को पानी फाउन्डेशन, सभी शासकीय अधिकारी, सरपंच– ग्रामवासी, मशीन मालिक, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, मूल्यवर्धन प्रकल्प के सभी सहयोगी और बीजेएस के महाराष्ट्र के पदाधिकारीयो ने भरपूर सहयोग दिया. जिस कारण इतने कम समय तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में भी इतना विशाल कार्य हो सका. इन मशीनों के माध्यम से सभी जिलों में कम्पार्टमेंट बंडिंग, कंटूर बांध, सीसीटी, डीप सीसीटी, कच्चे बांध, नदी-नालों को चौड़ा एवं गहरा करने का कार्य, तालाब का निर्माण, कुओं का पुनर्जीवन जैसे अनेक कार्य किये गए. 'सूखे से दो-दो हाथ करते हुए' श्रमदान तथा मशीनों की मदद से कई गाँवों में ग्रामवासियों ने दिन-रात कार्य किया.

पिछले 32 वर्षों से बीजेएस ने देश भर में आपदा प्रबंधन का अद्वितीय कार्य किया है. पिछले 4 वर्षों से सूखे से जूझे रहे महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में भी सूखा मुक्ति के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है.

भारतीय जैन संगठन के पूर्व विद्यार्थी भी श्रमदान में हुए शामिल

1. महाराष्ट्र के आत्महत्याग्रस्त किसान परिवार के 650 बच्चों का पिछले 2 वर्षों से वाघोली, पुणे में शैक्षणिक पुनर्वसन किया गया है. 'हमारे परिवार में सूखे की वजह से आत्महत्या हुई है लेकिन महाराष्ट्र के दूसरे किसानों पर ऐसी मुसीबत ना आये इसलिए हम श्रमदान में शामिल होकर महाराष्ट्र की जनता को सन्देश देना चाहते है', इस भावना के साथ इन सभी विद्यार्थियों ने 9 अप्रैल 2017 को महावीर जयंती के पावन अवसर पर औरंगाबाद जिले ग्राम – गोलेगांव में महाश्रमदान किया.
2. 1993 में लातूर, उस्मानाबाद में आये भूकंप से पीड़ित 1200 विद्यार्थियों का भी शैक्षणिक पुनर्वसन किया गया था. ये सभी 1200 युवकों ने एक साथ लातूर जिले के आशीव गाँव में 23 अप्रैल को महाश्रमदान किया.
3. 1997 से मेलघाट के आदिवासी विद्यार्थियों को भी पुणे में शैक्षणिक पुनर्वसन के लिए लाया जा रहा है. 7 मई को साद्राबाडी (मेलघाट) में इन सभी 600 युवकों ने 4000 गाँव वालों के साथ मिलकर महाश्रमदान कर सूखा मुक्ति अभियान को नई ऊंचाईयाँ प्रदान की.

336 गाँवों में 490 पोकलेन-जेसीबी मशीनों से कार्य

मध्यप्रदेश से भी लाये जेसीबी और पोकलेन्स

अप्रैल और मई महिनों में जेसीबी और पोकलेन जैसी मशीनों का उपलब्ध होना बहुत मुश्किल होता है. पश्चिम महाराष्ट्र में फिर भी मशीनें आसानी से मिल गयी. लेकिन मराठवाडा के बीड़ और उस्मानाबाद जिलों में इसके लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा. खास कर विदर्भ में तो मशीनें ही कम होने की वजह से वहा कार्य करना नामुमकिन था. स्थानीय सरपंच मशीन मालिको को ढूंढ-ढूंढ के लाये, इस कारण कुछ कार्य तो हो सका. अमरावती जिले के मेलघाट के आदिवासी इलाके में मशीनें मिल ही नही रही थी. लेकिन यहाँ कार्य की आवश्यकता को देखकर बीजेएस ने मध्यप्रदेश के खंडवा जिले से जेसीबी तथा पोकलेन मंगवाकर इस आदिवासी इलाके को भी सूखामुक्त करने का कार्य किया.

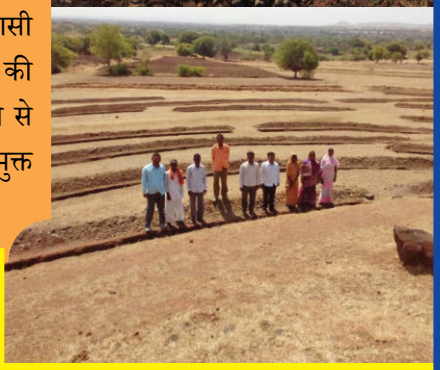

महाराष्ट्र के टी.वी. चैनल कार्यक्रम ‘तूफ़ान आलंया’ में श्री शान्तीलालजी मुथ्था

बीजेएस की महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान में भूमिका – समाचार पत्रों के नजरियें से

With best compliments from:

Pradeep Jain,
CMD PNC Infra Tech Ltd & Chief Patron BJS UP

Patrons BJS UP

Bholanath Jan Singhai
Chanda Babu Jain
Shikar Chand Jain Singhai
Nirmal Kumar Jain Mothya
Bimlesh Jain Marsons
Jagdish Prasad Jain

Manoj Kumar Jain - State President, BJS UP
Pankaj Jain - State General Secretary, BJS UP
Mohit Jain (Shamli) - State Vice President, BJS UP
Kumar Mangalam Jain - Secretary, BJS UP
Pawan Jain, Agra - State Executive Member

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 7th of Every Month
Posted at Market Yard PSO, Pune On-
10th of Every Month

If undelivered Please Return To

BJS Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600